CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
2, COMMUNITY CENTRE, PREET VIHAR, DELHI - 110092

S/PA/06

Dated: 31st January, 2006

Circular No: 02/06

To

All Heads of Institutions
Affiliated to CBSE

Dear Principal

Sub: Introduction of seven point grading system at the Middle school level

As you are aware, the Board has been taking several initiatives to enhance the quality of learning in schools. The objectives of these initiatives include:

- Facilitating joyful and stress-free learning
- Enabling holistic learning
- Improving quality of interactions between the teacher and learner
- Supporting achievements through positive inputs
- Continuous and comprehensive evaluation

As a part of the above initiatives, the Board has already taken the following steps:

- Achievement Record (for classes I to V)
- Assessment through Continuous and Comprehensive Evaluation for primary classes
- Clarification of the five point rating scales by detailing various competencies

As a follow-up of the above initiatives, the Board has further decided that the scheme of continuous and comprehensive evaluation would be introduced at the middle-school level (for classes VI to VIII) also from the ensuing academic year (2006-07). The format of the CCE along with specifications would shortly be made available to the schools both through the website as well as in the print format. This scheme would bring with it a seven-point grading system to be introduced in the schools for all the academic subjects.

The seven points and their equivalent performance scale in raw scores (in percentage) will be as under:

A* - 90 and above

A - 80 to 89

B* - 70 to 79

B - 60 to 69

C - 45 to 59

D - 33 to 44

E - Below 33 percent

The schools are advised to introduce the above scales in the evaluation of their students. This will enable maintaining a meaningful continuity in the assessment pattern from the primary level to the secondary level and also in ensuring a basic uniformity in the affiliated schools.

The schools are further advised that these changes should be brought to the notice of all the stakeholders in the school community so that the purpose and the spirit of the scheme is well understood.

Yours faithfully,

(VINEET JOSHI)
SECRETARY

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
2, सामुदायिक केन्द्र, प्रीत विहार, दिल्ली – 110092

एस./पी.ए./06/

दिनांक : 31 जनवरी, 2006
परिपत्र सं0 02/2006

सभी संस्था प्रमुख
सी.बी.एस.ई. से सम्बद्धता प्राप्त संस्थान

विषय : मिडिल स्कूल स्तर पर 7 बिन्दु ग्रेडिंग प्रणाली लागू करना ।

प्रिय महोदय,

जैसा कि आप जानते हैं कि बोर्ड द्वारा विद्यालयों में अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता हेतु अनेक पहल की जा रही हैं । इन सभी पहलों का उद्देश्य मुख्य रूप से निम्नलिखित है :–

- शिक्षण को तनावरहित एवं स्फूर्तिदायक बनाने में मदद करना
- शिक्षक एवं विद्यार्थी के बीच संवाद की गुणवत्ता को समुन्नत करना
- सकारात्मक निवेश के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

उपरोक्त की प्राप्ति हेतु बोर्ड द्वारा पूर्व से ही निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं:–

- उपलब्धि रिकार्ड (कक्षा 1 से 5 तक)
- प्राथमिक कक्षाओं के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन लागू करना
- विभिन्न दक्षताओं के माध्यम से पांच बिन्दु ग्रेडिंग का स्पष्टीकरण

उपरोक्त के अनुपालन के फलस्वरूप बोर्ड द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना को मिडिल स्कूल स्तर (कक्षा 6 से 8 तक) वर्तमान शैक्षिक वर्ष (2006–07) से लागू किया जाय । सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का प्रपत्र विनिर्देशनों सहित बोर्ड की वेबसाइट और मुद्रित रूप में विद्यालयों को शीघ्र उपलब्ध कराया जा रहा है । इस योजना द्वारा विद्यालयों में सभी शैक्षिक विषयों के लिए सात–बिन्दु श्रेणीकरण प्रणाली को अपनाया जाएगा ।

ये सात–बिन्दु और उनके समकक्ष अंक (प्रतिशत में) निम्न प्रकार होंगे :

ए* – 90 और उससे अधिक
ए – 80 से 89 तक
बी* – 70 से 79 तक
बी – 60 से 69 तक
सी – 45 से 59 तक
डी – 33 से 44 तक
ई – 33 प्रतिशत से कम ।

विद्यालयों को यह परामर्श दी जाती है कि वे अपने विद्यार्थियों के मूल्यांकन में उपर्युक्त ग्रेडिंग प्रणाली को लागू करें । इससे प्राथमिक स्तर से माध्यमिक स्तर तक मूल्यांकन पद्धति में सार्थक निरन्तरता कायम होगी और इससे विद्यालयों में मूल्यांकन की एकरूपता सुनिश्चित होगी ।

विद्यालयों को यह भी सुझाव दिया जाता है कि इन परिवर्तनों की जानकारी विद्यालय समुदाय के जुड़े सभी के ध्यान में लाया जाये ताकि इस योजना के उद्देश्य एवं भावना से वे भलीभांति अवगत हो सकें ।

भवदीय

विनीत जोशी
सचिव